कैसे होगी तेरे होते मेरी हार सांवरे

कैसे होगी तेरे होते मेरी हार सँवारे,
बन कर के माझी चला रहा तू मेरी नाव रे,
कैसे होगी तेरे होते मेरी हार सांवरे,

मेरे लिए तो बंद थी दुनिया की सब रहे,
हारे को जीत दिलाई फैला कर तूने बाहे,
वो सुख गई दर दो गम के दुनिया के गाव रे,
बन कर के माझी चला रहा तू मेरी नाव रे....

रहता तू मुझसे दूर है पर दिल से दूर नहीं,
तेरे रहते मेरे बाबा अब तो मैं मजबूर नहीं,
मेरे सिर पे हमेशा रखता तू प्यार की छाव रे,
बन कर के माझी चला रहा तू मेरी नाव रे,

हम दम अब तू बस तू मेरा और तू ही हम सफर,
मैं बड़ी हु किस्मत वाली मुझपे है तेरी नजर,
इस श्याम के पास के केवल भजनो की भाव रे,
बन कर के माझी चला रहा तू मेरी नाव रे,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/6825/title/kaise-hogi-tere-hote-meri-haar-sanware-ban-kar-ke-majhi-chla-raha-tu-meri-naav-

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |